आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 43 लखनऊ, शनिवार 21 फरवरी 2026 सा 27 फरवरी 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

भारत मंडपम में युवा कांग्रेस ने जो भी करने का प्रयास वह अत्यंत निंदनीय : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के समापन पर सदन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत मंडपम में युवा कांग्रेस ने जो भी करने का प्रयास किया उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नयी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान एक प्रदर्शनी हॉल में पहुंचकर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए। योगी ने विधानसभा में कहा, ष्आपने देखा होगा कि 'एआई इम्पैक्ट समिट' देश के अंदर हो रहा है और २० से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष प्रधानमंत्री के साथ समिट में उपस्थित थे। दुनिया के १०० से अधिक देशों के प्रतिनिधि समिट में भाग ले रहे थे।' उन्होंने कहा, 'जहां एक ओर पूरी दुनिया और पूरा देश भारत की तरफ देख रहा है, वहीं दूसरी तरफ 'भारत मंडपम' में युवा कांग्रेस ने शर्मनाक कृत्य करने का प्रयास किया।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'पूरी दुनिया के अंदर इन्होंने (कांग्रेस) भारत की

छवि खराब करने का कुत्सित प्रयास किया है, इसकी हम निंदा करते हैं। यह बहुत शर्मनाक घटना है।' योगी ने कहा, 'कांग्रेस के लोगों द्वारा, कांग्रेस नेताओं द्वारा देश की कीमत पर ये लोग खिलवाड़ करना चाहते हैं। राजनीति होती है, आरोप प्रत्यारोप होते हैं लेकिन यह देश की कीमत पर देश की छवि से खिलवाड़ कर रहे हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा, :जहां दुनिया के सौ से अधिक देशों के लोग भागीदार बनें। वहां पर इस प्रकार उत्पात मचाकर अराजकता फैलाने का प्रयास किया गया। मुझे लगता है कि हर भारतवासी को इस घटना की निंदा करनी चाहिए, भर्त्सना करनी चाहिए और जो लोग भारत की छवि को खराब करने का कार्य कर रहे हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने शुक्रवार को नई दिल्ल्ली में कहा कि 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन इस आयोजन के खिलाफ नहीं बल्कि अमेरिका के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि जब देश के किसानों का सौदा किया जा रहा हो, भारत विरोधी व्यापार समझौता हो रहा हो और युवाओं को बेरोजगार रखकर नफरत की राजनीति में झोंका जा रहा हो, तो फिर खामोश नहीं रहा जा सकता।

मोहन भागवत के पास वाले कोच में पथराव करने के आरोप में हरदोई आरपीएफ ने दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया।

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के पास वाले कोच में पथराव करने के आरोप में हरदोई आरपीएफ ने दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। दोनों किशोर आपस में मौसेरे भाई हैं। अभी तक की जांच में खुलासा हुआ है कि बच्चे वंदे भारत ट्रेन को देखने के लिए आए थे, तभी खेल–खेल में कोच पर पथराव कर दिया। संघ प्रमुख गुरुवार को दोपहर २ बजे के करीब वंदे भारत ट्रेन से लखनऊ से मेरठ के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही ट्रेन अपरान्ह ३.२० बजे के करीब हरदोई जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के बलोखर फाटक के पास पहंची, तभी एक पत्थर ट्रेन के कोच की खिड़की पर जोर से लगा। जिस कोच की खिड़की पर पत्थर लगा उसके बराबर वाले कोच में संघ प्रमुख बैठे थे। पुलिस ने तुरंत उनका कोच बदल दिया। उधर

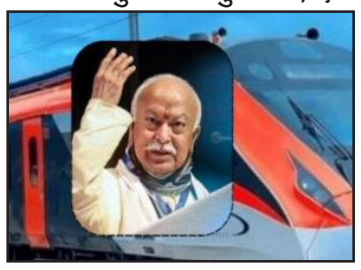

अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम कर जीआरपी और आरपीएफ ने सीसी कैमरे की फुटेज से तलाश कर दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, एक बच्चे की उम्र १२ साल है, जो कि शाहजहांपुर जिले का रहने वाला है। दूसरे की उम्र १४ साल है। दोनों रिश्ते में भाई लगते हैं। दोनों को जुवेलाइन कोर्ट में पेश किया गया। एडीजी जीआरपी प्रकाश डी. ने बताया कि सीसी कैमरों की सहायता से शुक्रवार को दो किशोर को अभिरक्षा में ले लिया गया। दोनों को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया।

उच्च न्यायालय का जयदीप सेंगर को अल्टीमेटम, कल तक आत्मसमर्पण करो वरना होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को जयदीप सिंह सेंगर उर्फ ''अतुल सिंह को कल तक आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। वह कुलदीप सिंह सेंगर और अन्य लोगों के साथ उन्नाव हिरासत में मौत के मामले में दोषी है। ये सभी १० साल की सजा को निलंबित करने की मांग कर रहे हैं। न्यायमूर्ति नवीन चावला और रविंदर दुदेजा की खंडपीठ ने जयदीप सिंह सेंगर को कल तक तिहाड़ जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। खंडपीठ जयदीप सिंह सेंगर को दी गई अंतरिम चिकित्सा जमानत की अवधि बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंतरिम जमानत की अवधि नहीं बढ़ाई गई और न ही उन्होंने आत्मसमर्पण किया। उन्हें जुलाई २०२४ में कैंसर के इलाज के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। इसके बाद उनकी अंतरिम जमानत की अवधि समय–समय पर बढ़ाई गई। बाद में अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। हालांकि, उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया। खंडपीठ ने उन्हें पहले आत्मसमर्पण करने को कहा और बताया कि इसके बाद याचिका पर सुनवाई होगी। यदि वे आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उच्च न्यायालय ने याचिका पर स्थिति रिपोर्ट मंगवाई है और मामले की सुनवाई २४ फरवरी को तय की है। उनके वकील ने बताया कि जयदीप सिंह सेंगर कल जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उन्नाव हिरासत में मृत्यु मामले में कुलदीप सिंह सेंगर सहित सभी दोषियों और सीबीआई को नोटिस जारी किया। उन्नाव बलात्कार पीड़िता ने अपने पिता की हिरासत में मृत्यु के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर सहित दोषियों की सजा बढ़ाने की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था। सेंगर हिरासत में मृत्यु के मामले में १० साल की सजा काट रहे हैं। कुलदीप सिंह सेंगर को छोड़कर इस मामले में अन्य सभी दोषी जमानत पर हैं। उन्नाव बलात्कार पीड़िता, जिसने याचिका दायर की है, की ओर से अधिवक्ता महमूद प्राचा पेश हुए। दूसरी ओर, सीबीआई की ओर से अधिवक्ता अनुभा भारद्वाज पेश हुईं और उन्होंने निवेदन किया कि याचिका की सुनवाई उसकी स्वीकार्यता तय करने के बाद ही की जानी चाहिए। इस सप्ताह के प्रारंभ में, न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति मंजू जैन की उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने मृतक पीड़िता की बेटी की शीघ्र सुनवाई की याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले को मुख्य न्यायाधीश की पीठ के पास भेज दिया। कुलदीप सिंह सेंगर हिरासत में मृत्यु के मामले में १० वर्ष की सजा और नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। दोनों मामलों में उनकी अपीलें दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित हैं। पीठ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, मामले का निपटारा ३ महीने के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

कॉलोनी की बिजली आपूर्ति करने वाला ४०० केवीए ट्रांसफॉर्मर ही चोरी कर ले गए चोर

लखनऊ। चिनहट के देवा रोड स्थित राय एन्क्लेव कॉलोनी में बीती रात शातिर चोर पूरी कॉलोनी की बिजली आपूर्ति करने वाला ४०० केवीए ट्रांसफॉर्मर ही चोरी कर ले गए। गुरुवार सुबह जब तक लोगों को हकीकत का पता चला, तब तक ट्रांसफॉर्मर का तेल और कॉपर निकालकर गायब किया जा चुका

था। इस घटना से बिजली विभाग को करीब १२ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। बुधवार देर रात अचानक पूरी कॉलोनी की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। लोगों ने पहले इसे तकनीकी खराबी समझा, लेकिन सुबह चार बजे तक सप्लाई बहाल नहीं होने पर उपभोक्ताओं ने टोल–फ्री नंबर १९१२ और शिवपुरी उपकेंद्र पर सूचना दी। एसएसओ प्रमोद चौहान के निर्देश पर संविदा कर्मचारी संतोष मौके पर पहुंचे तो देखा कि जिस चबूतरे पर ट्रांसफॉर्मर रखा था, वह पूरी तरह खाली पड़ा है। चोर कनेक्शन काटकर ट्रांसफॉर्मर का तेल और तांबा निकाल ले गए थे। सूचना पर अवर अभियंता निलेश रस्तोगी भी मौके पर पहुंचे। विभाग ने आनन– फानन में ट्रॉली ट्रांसफॉर्मर की व्यवस्था की। करीब १२ घंटे बाद शुक्रवार दोपहर १२ बजे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी। विभाग की शिकायत पर पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और गिरोह की तलाश में जुटी है। पिछले एक वर्ष में शहर में २५ से अधिक ट्रांसफॉर्मर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। सर्वाधिक मामले अमौसी जोन के वृंदावन, मोहनलालगंज, सरोजनीनगर और दुबग्गा क्षेत्रों में सामने आए हैं। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, इसी गिरोह ने दो दिन पहले देवा रोड पर भी ट्रांसफॉर्मर चोरी का प्रयास किया था, लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें भगा दिया था। इसमें मलिहाबाद क्षेत्र के एक गिरोह के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

सम्पादकीय

'भय' और 'भाग्य' के बीच झूलती भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता की साख

हाल ही में संपन्न हुए 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट–२०२६' ने भारत के तकनीकी भविष्य को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्घाटन भाषण में इस पूरी संज्ञानात्मक क्रांति (**Cognitive Revolution**) को दो शब्दों में समेटाः भय बनाम भाग्य। जहाँ दुनिया का एक हिस्सा **AI** को मानवीय वजूद के लिए खतरे के तौर पर देख रहा है, वहीं भारत ने इसे अपने विकास के 'भाग्य' के रूप में स्वीकार करने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट–२०२६ के उद्घाटन भाषण में वैसे तो कई बातें कहीं लेकिन पूरे भाषण का सार यह है कि इसे भय के तौर पर देखा जाए या भाग्य के तौर पर। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई को भय के तौर पर देख रहे हैं लेकिन भारत इसे भाग्य के तौर पर देख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एआई ने पूरी दुनिया में अगर नई संभावनाओं के रास्ते खोले हैं तो भय भी पैदा किया है। भय इसलिए क्योंकि यह पहली संज्ञानात्मक क्रांति है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि कृत्रिम बुद्धि मनुष्य की बुद्धि को चुनौती दे रही है। मनुष्य जो काम नहीं कर पाता था या जो काम करने में उसे घंटों या महीनों का समय लगता था वह काम अब एआई के जरिए चुटकियों में हो रहा है। इसलिए इसे सिर्फ नौकरी के लिए खतरे के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। यह सभ्यता, संस्कृति और समस्य मानवीय मूल्यों के लिए चुनौती की तरह है। जहां तक इस संज्ञानात्मक

क्रांति में भारत की स्थिति की बात है तो उसकी एक झलक इसी एआई इम्पैक्ट समिट में दिखाई दी। पहले दिन जिस तरह की अव्यवस्था हुई उसे लेकर सोशल मीडिया में खूब तंज किए गए। कहा गया कि एआई समिट में ही एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद एक यूनिवर्सिटी की ओर से चीन के रोबोडॉग और कोरिया के ड्रोन को अपना बना कर पेश करने की घटना हुई, जिसने भारत की क्षमताओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। यह सही है कि उसे प्रतिनिधि घटना के तौर पर नहीं पेश किया जा सकता है लेकिन इस घटना ने एआई के सेक्टर में भारत की तैयारियों और उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने के लिए बाध्य किया है। इस समिट में दुनिया भर के देशों के नेता या स्टार्टअप के फाउंडर्स या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की महाबली कंपनियों के प्रमुख भारत के बारे में क्या कहते हैं इससे कोई धारणा बनाने की जरुरत नहीं है। उनके लिए भारत एक बाजार है इसलिए वे बड़े बड़े निवेश के वादे कर रहे हैं या भारत की तारीफ कर रहे हैं। उनकी तारीफों के आधार पर भारत को अपना आकलन नहीं करना चाहिए। भारत को अपनी तैयारियों और उपलब्धियों का आकलन वस्तुनिष्ठ तरीके से करना चाहिए। भारत इसलिए एआई क्रांति में अग्रणी नहीं हो सकता है कि यहां ओपनएआई के प्लेटफॉर्म चौटजीपीटी के साढ़े १४ करोड़ यूजर्स हैं। भारत में तो फेसबुक के ४५ करोड़ यूजर हैं लेकिन उससे भारत सोशल मीडिया क्रांति में अग्रणी नहीं हो गया है। भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज म डल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे। सर्वम ने इसी समिट में लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया है। लेकिन उसकी कामयाबी तभी मानी जाएगी, जब भारत में करोड़ों लोग इसे इस्तेमाल करना शुरू करेंगे। जैसे चीन के डीपसीक ने चीन को लोगों की जरुरतें पूरी की कम से कम वैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म की भारत में जरुरत है। ध्यान रहे भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के तौर पर 'कू' और ऑफिस सूट के तौर पर 'जोहो' की चर्चा खूब हुई। लेकिन भारत के लोग इस्तेमाल अमेरिकी सोशल मीडिया और ऑफिस सूट ही करते हैं। अगर ऐसी स्थिति एआई में भी रही तो भारत इस क्रांति की बस भी मिस करेगा।

होली से पहले शिक्षा मित्रो को बड़ा तोहफा, १ अप्रैल से बढ़ेगा मानदेय, अब मिलेगें १८ हजार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में होली से पहले शिक्षा मित्रो को बड़ा तोहफा देते हुए उनके मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षामित्रों को अप्रैल से १८ हजार रुपये और अनुदेशकों को १७ हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। शिक्षकों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं को विस्तार से रखते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और डिजिटल क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों की ओर से ५००० से अधिक पेटेंट की फाइलिंग हुई है, जिनमें ३०० से ज्यादा को स्वींति मिल चुकी है। योगी ने कहा कि २०१७ से पहले निजी विश्वविद्यालयों की स्वीकृति में 'पिक एंड चूज' की नीति अपनाई जाती थी, जबकि छह मंडलों में एक भी विश्वविद्यालय नहीं था। सरकार ने मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय की स्थापना की और अब सभी मंडलों में विश्वविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य विश्वविद्यालयों के साथ निजी और विदेशी विश्वविद्यालयों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां नए विद्यालय खोले जाएंगे। इसके लिए ५८० करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में ड्रॉप आउट रेट लगभग छह प्रतिशत था, जिसे घटाकर ०–३ प्रतिशत तक लाया गया है। आठ हजार न्याय पंचायतों तक कंपोजिट विद्यालय ले जाने का लक्ष्य है, जहां एक ही छत के नीचे १२वीं तक की पढ़ाई और कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में शौचालय और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने से बच्चियों का स्कूल छोड़ना कम हुआ है। प्रदेश भर में बच्चों को ड्रेस, जूते और बैग देने की व्यवस्था की गई है, जिसमें किसी जाति या मजहब के आधार पर भेदभाव नहीं किया गया। योगी ने डिजिटल एन्टरप्रेन्योर योजना की

घोषणा करते हुए कहा कि गांवों में आठ हजार डिजिटल उद्यमी स्थापित किए जाएंगे, जिनमें ५० प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। साथ ही महिला उद्यमी विपणन उद्योग केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का है और यूपी सरकार युवाओं को मुफ्त एआई टूल उपलब्ध कराएगी। २०३० तक पांच गीगावॉट क्षमता का डाटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने की योजना है। लखनऊ और आसपास के जिलों को स्टेट कैपिटल रीजन तथा काशी–मिर्जापुर (विंध्याचल) क्षेत्र को इकोन मिक जोन के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले मातृ और शिशु मृत्यु दर की स्थिति खराब थी। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर हालात सुधारे गए हैं। इसके लिए १००० करोड़ रुपये की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि २०१६ के बाद से इंसेफेलाइटिस पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया है और मौतों की संख्या में भारी कमी आई है। योगी ने कहा कि ंषि निर्यात के लिए बजट में १०० करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में ४० लाख ट्यूबवेल हैं और १६ लाख किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। किसानों को सोलर पैनल भी उपलब्ध कराए जाएंगे। खेतों में ड्रोन के जरिए दवा और पेस्टीसाइड के छिड़काव को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोबोटिक्स और आधुनिक तकनीक से श्रम आधारित कार्यों को आसान बनाया जाएगा। इसके लिए १०० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सीएम युवा योजना के तहत १.१० लाख युवाओं को ब्याजमुक्त गारंटीयुक्त लोन दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई को बढ़ावा दिया जा रहा है और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के माध्यम से मेरठ का ब्रास, गोरखपुर का टेराकोटा, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी और भदोही की कालीन जैसे उत्पादों को वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और बेहतर कानून–व्यवस्था के कारण आज यूपी निवेश के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन बन चुका है। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने से प्रदेश की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है और इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश से रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में प्रदेश की छवि इतनी खराब हो गई थी कि बाहर से आने वाले लोगों को होटल में कमरे तक नहीं मिलते थे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश के लोगों को देशभर में सम्मान मिल रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से आलोचना छोड़कर जनहित के मुद्दों पर ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

६०० किमी रफ्तार वाली मैग्लेव में सफर करेंगे योगी

लखनऊ। पटरी से ऊपर हवा में तैरकर दौड़ने वाली जापान की अत्याधुनिक मैग्लेव (मैग्नेटिक लेविटेशन) ट्रेन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे का खास आकर्षण बनने जा रही है। मुख्यमंत्री अपने प्रवास के दौरान इस हाईस्पीड ट्रेन में १०० किलोमीटर की परीक्षण यात्रा करेंगे। मैग्लेव ट्रेन को आधुनिक परिवहन व्यवस्था का भविष्य माना जा रहा है। चुंबकीय शक्ति के कारण ट्रेन और ट्रैक के बीच प्रत्यक्ष संपर्क नहीं होता, जिससे घर्षण लगभग शून्य हो जाता है। इसी तकनीक के चलते यह ट्रेन ६०० किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार हासिल करने में सक्षम है। जापान टोक्यो से नागोया के बीच मैग्लेव क रिडोर को वर्ष २०२७ तक शुरू करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। इसके शुरू होने के बाद दोनों शहरों के बीच यात्रा समय मौजूदा व्यवस्था की तुलना में आधे से भी कम रह जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह यात्रा केवल तकनीकी अनुभव तक सीमित नहीं मानी जा रही है। इसे उत्तर प्रदेश में आधुनिक परिवहन ढांचे के विस्तार के लिहाज से अहम माना जा रहा है। प्रदेश में पहले ही एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम जैसी परियोजनाओं के माध्यम से तेज और सुगम आवागमन की दिशा में काम हो रहा है। ऐसे में मैग्लेव जैसी भविष्य की तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव नीति निर्माण और दीर्घकालिक योजना में सहायक माना जा रहा है। जापानी विशेषज्ञों के अनुसार, इस ट्रेन में सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट और अत्याधुनिक गाइडवे सिस्टम का उपयोग किया गया है, जो इसे अत्यधिक गति के साथ बेहतर स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करता है। फिलहाल परीक्षण चरण में संचालित यह ट्रेन जापान की तकनीकी दक्षता और नवाचार की पहचान बन चुकी है। मुख्यमंत्री की प्रस्तावित यह यात्रा भारत और जापान के बीच तकनीकी सहयोग के व्यापक परिप्रेक्ष्य में भी देखी जा रही है। हाईस्पीड रेल, स्मार्ट मोबिलिटी और पर्यावरण अनुकूल परिवहन के क्षेत्र में सहयोग से उत्तर प्रदेश समेत देश के परिवहन नेटवर्क को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कुल मिलाकर, जापान की मैग्लेव ट्रेन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह सफर तेज, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन व्यवस्था की भावी तस्वीर को नजदीक से देखने का अवसर प्रदान करेगा।

सुल्तानपुर में एक सांसद-विधायक अदालत में पेश हुए, दर्ज कराया बयान, अमित शाह के खिलाफ की थी टिप्पणी

लखनऊ। विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक सांसद–विधायक अदालत में पेश हुए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ उनकी टिप्पणी से संबंधित मानहानि मामले में बयान दर्ज कराया। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया, ष्राहुल गांधी सुल्तानपुर में सांसद–विधायक अदालत में पेश हुए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ उनकी टिप्पणी से संबंधित मानहानि मामले में बयान दर्ज कराया।ष उन्होंने कहा कि अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख नौ मार्च तय की है, जिस पर राहुल गांधी को अपने बचाव में सबूत पेश करने के लिए कहा गया है। राहुल गांधी सुबह करीब १०.४० बजे सुल्तानपुर की अदालत में दाखिल हुए और करीब ११.१५ बजे मामले में बयान दर्ज कराने के बाद वहां से चले गए। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने बताया, श्श्अदालत ने मामले में अगली तारीख नौ मार्च तय की है।'' उन्होंने बताया कि गांधी लखनऊ के लिए रवाना हो गये और वहां से वह वापस दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। अपना बयान दर्ज कराने के बाद जब गांधी अदालत से

बाहर निकले तो कांग्रेस समर्थकों का एक भारी हुजूम वहां पहुंचा और उनके पक्ष में नारे लगाए। राहुल मुस्कुराए और जाने से पहले भीड़ की ओर हाथ हिलाया। अदालत की सुनवाई से पहले, कुछ स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने सुल्तानपुर में पोस्टर लगाए हैं, जिन पर लिखा है श्सत्यमेव जयतेश (सच्चाई की हमेशा जीत होती है)। यह मामला २०१८ का है जब स्थानीय भाजपा नेता विजय मिश्रा ने गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि २०१८ में कर्नाटक चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। पिछले पांच साल से मुकदमा चल रहा है. दिसंबर २०२३ में, अदालत के समक्ष उपस्थित न होने पर गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया गया था। उन्होंने फरवरी २०२४ में आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद एक विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें २५,००० रुपये की दो जमानत राशि पर जमानत दे दी। इसके बाद २६ जुलाई, २०२४ को राहुल गांधी ने अदालत के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और मामले को राजनीतिक साजिश करार दिया। बाद में अदालत ने शिकायतकर्ता को मामले में सबूत पेश करने का निर्देश दिया।

किडनी ट्रांसप्लांट का झांसा देकर बलरामपुर अस्पताल के डॉक्टर ने ठगे ३५ लाख

लखनऊ। पिता की किडनी ट्रांसप्लांट कराने का झांसा देकर दिल्ली के एक डॉक्टर से बलरामपुर अस्पताल के डॉक्टर देवेंद्र सिंह ने ३५ लाख रुपये ठग लिए। चार माह में रुपये वापस करने का आश्वासन देकर परिचित के खाते में रुपये लिए। तय समय बाद पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो उन्हें चेक दिया, जो बाउंस हो गया। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर गोमतीनगर पुलिस ने डॉक्टर समेत दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नई दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित एलआईसी कॉलोनी निवासी डा. भारत भूषण कालरा दिल्ली में प्रैक्टिस करते हैं। उन्होंने बताया कि फ्लोरेट अस्पताल नई दिल्ली के बाल रोग विशेषज्ञ डा. मनोज मेहतो के माध्यम से लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में तैनात शिशु रोग विशेषज्ञ डा. देवेंद्र सिंह से मुलाकात हुई थी। इसी दौरान डा. देवेंद्र सिंह ने अपने पिता की किडनी ट्रांसप्लांट के लिए ३५ लाख रुपये की जरूरत बताई और तीन–चार महीने में रकम लौटाने का आश्वासन दिया। डा. मनोज मेहतो के कहने पर डा. भारत भूषण ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर रुपये देने का आश्वासन दिया। जब डा. भारत भूषण ने बैंक खाते की जानकारी मांगी तो डा. देवेंद्र सिंह ने खुद को सरकारी कर्मचारी बताते हुए अपने खाते में पैसे लेने से इनकार करते हुए अपने दोस्त अमन श्रीवास्तव का बैंक खाता दे दिया। इसके बाद डा. भारत भूषण ने अ नलाइन ट्रांसफर और चेक के माध्यम से ३५ लाख रुपये अमन श्रीवास्तव के खाते में जमा कर दिए। तय समय बीतने के बाद पीड़ित ने डा. देवेंद्र और अमन श्रीवास्तव से संपर्क कर रुपये वापस मांगे तो वे आनाकानी करने लगे। २८ नवंबर २०२३ को डा. भारत भूषण पत्नी दीपशिखा और दो मित्रों के साथ लखनऊ पहुंचे। यहां डा. देवेंद्र सिंह ने उन्हें गोमती नगर के एक सुनसान स्थान पर मिलने के लिए बुलाया और देर रात तक टालमटोल करते रहे। बाद में उन्हें इंदिरानगर स्थित अमन श्रीवास्तव के घर ले गए। वहां उन्हें एक चेक दे दिया गया। डा. देवेंद्र सिंह ने कहा कि अगर दस दिन में रुपये वापस नहीं मिलते हैं तो चेक बैंक में जमा कर सकते हैं। दस दिन बाद जब डा. भारत भूषण ने चेक बैंक में जमा किया तो वह बाउंस हो गया। बैंक से पता चला कि जिस खाते का चेक दिया गया था, वह करीब दो साल पहले ही बंद हो चुका था। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

७०वें रेल सप्ताह में ३४ में से १६ पुरस्कार किए अपने नाम, पूर्वोत्तर रेलवे में टॉप पर

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक स्तर पर आयोजित ७०वें रेल सप्ताह समारोह विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार में लखनऊ मंडल ने ३४ में १६ पुरस्कार अपने

नाम किए। यह सम्मान विशेष रूप से अंतरमंडलीय कार्यकुशलता और नवोन्मेष के क्षेत्र में लखनऊ मंडल की उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। गोरखपुर मुख्यालय में आयोजित समारोह में पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने अपर महाप्रबन्धक वीके शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्ष व मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की उपस्थिति में लखनऊ मंडल के कर्मचारियों को सम्मानित किया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कर्मचारियों की सामूहिक मेहनत और रेलवे के बहुआयामी कार्य क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। लखनऊ मंडल को अंतरमंडलीय सर्वांगीक कार्य कुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय यांत्रिक कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय इंजीनियरिंग कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय वाणिज्य कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय राजभाषा कार्य कुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय कर्षण ऊर्जा दक्षता शील्ड, अंतरमंडलीय भण्डार कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय कार्मिक कार्यकुशलता शील्ड, अंतरमंडलीय सिग्नल कार्यकुशलता शील्ड, सर्वोत्तम नवोन्मेषी मंडल शील्ड, सर्वोत्तम लोको अनुरक्षण शील्ड, सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्रॉफी,सर्वोत्तम सवारी व माल डिब्बा डिपो शील्ड, स्वच्छता वाणिज्य कार्यकुशलता शील्ड, सर्वोत्तम व्यवस्थित स्टेशन शील्ड, अंतरमंडलीय सौर ऊर्जा उत्पादन शील्ड के अलावा इस वर्ष कुल १८ कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिनमें स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, तकनीशियन और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी शामिल हैं। इस उपलब्धि से लखनऊ मंडल ने पूर्वोत्तर रेलवे में कार्य कुशलता और नवाचार में प्रदर्शन दर्ज किया है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बंद कराया जहर घोल रही अवैध सोना-चांदी की गलाई-पकाई वाली रिफाइनरी

लखनऊ। चौक अंतर्गत सुरंगी टोला में छह माह से आबादी के बीच उठते जहरीले धुएं से जहर घोल रही अवैध सोना–चांदी की गलाई–पकाई वाली रिफाइनरी को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बंद करा दिया। भट्टियां ध्वस्त करते हुए इसके संचालक को एक सप्ताह में रिफाइनरी हटाने की चेतावनी दी गई है। इस कार्रवाई से आसपास लोगों ने राहत महसूस की है। सुरंगी टोला के एक मकान में छह माह पहले एक व्यक्ति द्वारा आवासीय क्षेत्र में अवैध रूप से सोना–चांदी गलाने की रिफाइनरी लगाई गई थी। मोहल्ले में ४० से अधिक मकान बने हैं और उनमें सैकड़ों परिवार रहते हैं। रिफाइनरी में सोना और चांदी तेजाब के माध्यम से भट्टियों से गलाया जाता था। दिनरात इसका धुआं पर्यावरण के साथ लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था। खासकर बुजुर्गों को सांस की तकलीफ हुई। लोगों ने रिफाइनरी का विरोध किया तो मालिक ने नहीं हटाई। सुरंगी टोला मोहल्ला समिति के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में शिकायत की तो टीम ने जांच की। अवैध रिफाइनरी आबादी के बीच चलती मिली। जोकि पर्यावरण और स्थानीय लोगों के लिए हानिकारक बताकर मालिक को नोटिस जारी किया गया। इसके बाद भी रिफाइनरी चला रहे संचालक नहीं माने। इसके बाद कार्रवाई के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव को पत्र लिखा गया। इस बीच समिति के लोग उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार से मिले। उनके निर्देश पर बुधवार को जोन–७ की टीम ने कार्रवाई की। मौके पर भट्टियां तोड़कर रिफाइनरी बंद कराई गई। जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि मालिक ने खुद से रिफाइनरी हटाने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। यदि भवन खाली नहीं किया तो सीलिंग करेंगे। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एलडीए को सुरंगी टोला समिति के माध्यम से पत्र लिखा गया है। इसमें मोहल्ला वासियों ने हस्ताक्षर कर शिकायत दर्ज कराई है। रिहायशी लोगों में एक बुजुर्ग ने सांस की बीमारी को लेकर अपनी रिपोर्ट तक संबंधित जिम्मेदार विभागों को भेजी थी। इसके बाद कार्रवाई की गई है। जहां रिफाइनरी चल रही है वहां करीब ४० घर और ढाई सदस्य रहते हैं।

गोमती नदी स्वच्छता पर विशेष कार्यक्रम, शामिल होंगे मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम गोमती नदी स्वच्छता कार्यशाला के समापन कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। शहर के एक पांच सितारा होटल में गोमती नदी की स्वच्छता को लेकर 'जीवनरेखा का पुनर्जीवनः स्वच्छ गोमतीष विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशेष रूप से शाम चार बजे संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में विशेषज्ञों की राय के अनुसार गोमती को स्वच्छ बनाने का रोडमैप तैयार किया जायेगा।

स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन (एसटीसी) के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षत वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम ष्जीवनरेखा का पुनर्जीवनः स्वच्छ गोमतीष में प्रदेश के जलशक्ति और नमामि गंगे मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज शिरकत करेंगे। इस आयोजन के दौरान कई सत्र होंगे। इसमें अनेक विशेषज्ञ गोमती नदी को स्वच्छ बनाने को लेकर अपनी राय रखेंगे। इसी के आधार पर गोमती के जल को बेहतर बनाने का रोडमैप बनाया जाएगा।

बजट पर चर्चा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की आर्थिक उपलब्धियों और विकास योजनाओं को विस्तार से रखा

लखनऊ। यूपी के बजट सत्र का आज आखिरी दिन है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की आर्थिक उपलब्धियों और विकास योजनाओं को विस्तार से रखा। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें शिवपाल सिंह यादव का ष्श्रापष् न लगे। साथ ही उन्होंने लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए सदन के सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्य्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को १०वां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और अन्य्य सदस्य्यों की बजट संबंधी चर्चा के जवाब में बजट सत्र के अंतिम दिन कहा, ष्यह बजट हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण है कि प्रदेश के इतिहास में किसी मुख्य्मंत्री को १०वां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है, यह पहली बार हुआ है।’ उन्होंने कहा कि यह बजट कई मायनों में ऐतिहासिक है, क्योंकि पहली बार कोई मुख्यमंत्री दसवीं बार बजट पेश कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार कर्ज के अनुपात को घटाकर २७ प्रतिशत से २३ प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। राज्य की आय में बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष २०१७ में सरकारी आय लगभग ४३ हजार करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि भारत तभी विकसित होगा, जब उसके राज्य विकसित होंगे और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले उत्तर प्रदेश को देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता था, लेकिन अब प्रदेश देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल है। उन्होंने लक्ष्य रखा कि वर्ष २०२६–२७ तक प्रदेश की जीडीपी ४० लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचाई जाएगी। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में प्रदेश की छवि इतनी खराब हो गई थी कि बाहर से आने वाले लोगों को होटल में कमरे तक नहीं मिलते थे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश के लोगों को देशभर में सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष २०१७ में जब उनकी सरकार बनी, तब किसानों की कर्ज माफी की घोषणा के बावजूद कहीं से आर्थिक सहयोग नहीं मिल रहा था, क्योंकि प्रदेश की छवि खराब थी। उन्होंने कहा कि उस समय प्रदेश का खजाना खाली था, लेकिन सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर और सरकारी धन के लीकेज को रोककर वित्तीय स्थिति सुधारी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने भारतीय रिजर्व बैंक की गाइडलाइंस का पूरी तरह पालन किया है। वर्ष २०२६ में प्रदेश का पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़कर १ लाख ७७ हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ६६ लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं, जो रोजगार सृजन और आर्थिक विकास की मजबूत आधारशिला हैं। वर्ष २०१७ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार का नेतृत्व योगी आदित्यनाथ ने संभाला और वर्ष २०२२ के विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। योगी सरकार ने विधानसभा में ११ फरवरी को लगातार १०वां बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष २०२६–२७ के लिए ६.१३ लाख करोड़ रुपये का बजट बुधवार को पेश किया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब १२.२ प्रतिशत

अधिक है। सदन में आखिरी दिन सीएम योगी ने बजट सत्र पर बोलते हुए सत्ता और विपक्ष को लेकर सार्थक चर्चा के लिए धन्यवाद किया। इसके साथ ही सदन में अपने सम्बोधन की शुरुआत में चुटकी लेते हुए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को शिवपाल यादव का श्राप न लगे, और वे स्वस्थ रहने की कामना की। योगी ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, ‘कई वर्षों बाद बजट सत्र दो सप्ताह की यात्रा पूरी कर समापन की ओर बढ़ रहा है और आपने (विधानसभा अध्यक्ष) जिस कुशलता के साथ इस सत्र को संचालित किया, या फिर बजट के मुद्दे पर जो चर्चाएं थी, उन सभी मुद्दों पर जो रुचि सदस्यों ने दिखाई वह अत्यंत ही सार्थक रही।’ उन्होंने कहा, ‘मैं सदस्यों को बधाई देता हूं कि जिस तरह लोकतंत्र की सशक्तिकरण का शंखनाद उप्र की विधानसभा के माध्यम से दिया है, इसके लिए सभी का हृदय से अभिनंदन है।’ नेता सदन ने कहा, ‘मैं धन्यवाद दूंगा कि मेरे सहयोगी (वित्त व संसदीय कार्यमंत्री) सुरेश कुमार खन्ना ने जो बजट प्रस्तुत किया उसफ्र नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और वरिष्ठ सदस्य्य शिवपाल सिंह यादव का वक्त्तव्य सुना और वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया।’ मुख्यमंत्री ने कहा, ‘सदस्यों ने यह साबित किया कि वास्तव में लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था के रूप में विधायिका अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है और समस्याओं के समाधान का रास्ता संवाद हो सकता है। यूपी विधानसभा के बजट सत्र में प्रदेश पर बढ़ते कर्ज, कंसोलिडेटेड फंड और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार को वित्तीय प्रबंधन और जनसेवाओं के मुद्दे पर घेरा, जिस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने जवाब दिया। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि प्रदेश पर नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो चुका है और सरकार इस मुद्दे से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट बनाते समय वास्तविक स्थिति को स्पष्ट नहीं किया जा रहा। इस पर सुरेश खन्ना ने शुरुआत में आपत्ति जताई, हालांकि बाद में कर्ज के आंकड़े को स्वीकार किया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जिला अस्पतालों से मरीजों को मेडिकल कॉलेजों और बड़े संस्थानों में रेफर करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जीवन–मरण से जुड़ा विषय है, इसलिए यहां संविदा और आउटसोर्सिंग पर कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में एक हजार लोगों पर केवल ०.३७ डॉक्टर उपलब्ध हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक एक हजार पर एक डॉक्टर का है। जिला अस्पतालों और मेडिकल क लेजों में दवाओं की कमी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपलब्धता भी उन्होंने प्रमुख समस्या बताई। पांडेय ने कहा कि यदि जिला अस्पताल और मेडिकल क लेज ठीक से कार्य करें तो मरीजों को लखनऊ के बड़े संस्थानों, जैसे संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, में रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने आयुष्मान योजना की जांच कराने और स्वास्थ्य विभाग को ष्दलालों से बचानेष् की भी मांग की। प्रतिव्यक्ति आय और विकास के मुद्दे पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरा। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार आंकड़ों से खेल रही है और वास्तविक स्थिति को छिपा रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए लखनऊ के इकाना स्टेडियम, लोक भवन, पुलिस मुख्यालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय परिसर के विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने चुनौती दी कि वर्तमान सरकार एक्सप्रेसवे के अलावा कोई बड़ा विकास कार्य गिनाए। साथ ही कई विभागों में पूरा बजट खर्च न होने और केंद्र से मिलने वाले कर हिस्से में कमी आने का मुद्दा भी उठाया। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से आलोचना छोड़कर जनहित के मुद्दों पर ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

जिन्दा जलकर मरी युवती के मामले में नया मोड़

बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाने से कुछ दूरी पर जिन्दा जलकर मरी युवती के मामले में नया मोड़ आ गया है। गुरुवार दोपहर घर से निकली युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसे जिन्दा जलाया गया था। आरोप कि मृतका की जीभ खींच ली गई और यह कुंत्य शराब के नशे में हुआ। खुद को बचाने के लिए भागी लपटों से घिरी युवती थाने से कुछ दूरी पर गिर गई। हालांकि इलाज के लिए ले जाते समय युवती ने दम तोड़ दिया। घटना के आरोपी अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं, वहीं इस घटना में परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। बताते चलें कि गुरुवार को मोहम्मदपुर खाला थाने से कुछ दूरी पर लोगों ने एक युवती को जलते हुए देखा तो हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवती को एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया, वहां से डाक्टरों ने इसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां युवती ने अपने बयान में अखिलेश यादव नामक युवक का नाम लिया। जो एक पेट्रोल पंप पर काम करता था, हालांकि तलाश में वह हाथ नहीं लगा। जिला अस्पताल से रेफर किए जाने पर लखनऊ ले जाते समय युवती ने दम तोड़ दिया। लखनऊ में शव पोस्मार्टम के लिए भेजा गया। हालांकि मृतका के भाई ने बताया कि उसकी बहन को दुष्कर्म के बाद जिन्दा जलाया गया है। पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। वहीं बहन की ओर से शुक्रवार को पुलिस को तहरीर देकर स्पष्ट कहा गया कि गुरुवार की दोपहर उसकी बहन शौच के लिए गई थी। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंची तो बहन को नग्न अवस्था में जला हुआ पाया। आरोप है कि रामनगर थाना क्षेत्र के सायपुर बंजरिया गांव वासी अखिलेश यादव व तीन अज्ञात लोगों ने उसकी बहन के साथ दुष्कर्म किया फिर उसे जिन्दा जला दिया। यह भी कहना है कि मौके पर शराब की बोतल व कुछ गिलास मिले, वहीं मृतका की जीभ भी खींच ली गई थी। पुलिस ने फिलहाल तहरीर के आधार पर आरोपियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया है लेकिन आरोपी पकड़ से दूर हैं। थाने से कुछ दूरी पर इस घटना को लेकर महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी का कहना है कि हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बढ़ें मानदेय का बाराबंकी में किया स्वागत शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के लिए बताया बड़ी राहत

बाराबंकी। सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा विधानसभा में की गई घोषणा के अनुसार १ अप्रैल २०२६ से शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि की जाएगी। सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय १०,००० रुपये से बढ़ाकर १८,००० रुपये प्रति माह तथा अनुदेशकों का मानदेय ६,००० रुपये से बढ़ाकर १७,००० रुपये प्रति माह करने का निर्णय लिया है। इस फैसले का उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पहली बार सरकार ने मानदेय में एक साथ ८,००० रुपये की बढ़ोतरी की है, जो सराहनीय कदम है। महंगाई के इस दौर में शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि संगठन की मांग इससे अधिक थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह बढ़ोतरी भी महत्वपूर्ण है। सरकार ने लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार कर शिक्षा परिवार की भावनाओं का सम्मान किया है। अभिषेक सिंह ने शिक्षामित्रों की ओर से मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय शिक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा और शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के मनोबल को बढ़ाएगा।

अन्नदाता किसानों के साथ खड़ी रहेगी डबल इंजन सरकारः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ–२०२५) के अंतर्गत २.५१ लाख किसानों को २८५ करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति राशि का वितरण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के ३५०० लाभार्थी परिवारों को भी १७५ करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री ने बागपत, शामली, कासगंज और भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं, राजकीय भूमि संरक्षण केंद्र मऊरानीपुर झांसी में ५० शैय्या के छात्रावास भवन व लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो इकाई का शिलान्यास भी किया। उन्होंने होली की शुभकामनाएं देते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि डबल इंजन सरकार मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि अन्नदाता किसान उन्नत खेती के माध्यम से प्रदेश की समृद्धि में योगदान देते रहेंगे। सीएम योगी ने कहा कि कल ही उत्तर प्रदेश सरकार का २०२६–२७ का बजट पारित हुआ है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से बजट के माध्यम से प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के लिए ढेर सारी योजनाएं पास कराई गई हैं। जब बजट होता है तो लाभार्थियों के अकाउंट में सीधे पैसा जाता है और उन्हें लाभ प्राप्त होता है। आज एक बटन दबाते ही ४६० करोड़ रुपए किसानों के खाते में पहुंच रहे हैं, बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई। लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जनपदों में लाभार्थी परिवारों को इन योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से २.५१ लाख किसान परिवारों को मिली २८५ करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति को संबल बताया। उन्होंने कहा कि फसल को सूखे–अतिवृष्टि के कारण नुकसान हुआ है। जब हम फसल का बीमा कराते हैं तो जरूरत पर रिटर्न भी मिलता है। आपदा के कारण नुकसान हुआ तो भरपाई होती है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि योजना के तहत पहले केवल किसान कवर होता था। उसके परिवार के सदस्य, बटाईदार और सह–किसान कवर नहीं होते थे। हमारी सरकार में १००० करोड़ से अधिक की धनराशि के जरिए किसान या उसके परिवार के सदस्यों की दुर्घटना में मृत्यु होने पर पांच लाख रुपए की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी मनुष्य की कमी की भरपाई कोई नहीं कर सकता, लेकिन सरकार संबल देने के लिए खड़ी हो सकती है। आपदा प्रभावित ३५०० पीड़ित किसानों, सह किसानों, पारिवारिक सदस्यों, बटाईदारों आदि को आज लाभान्वित किया गया है। इससे पहले १६ जून २०२५ को ११,६६० किसानों व आश्रितों को ५६१.८६ करोड़ रुपये वितरित किए गए थे। सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों से कहा कि कल तक यह पैसा सभी किसानों या आश्रित

परिवारों के खाते में पहुंच जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपदा प्रबंधन में फर्स्ट रिस्प न्डर आपदा मित्र हो सकता है। पीएम मोदी ने इस संबंध में बड़ा अभियान चलाया है। उत्तर प्रदेश ने पीएम की इस पहल को बढ़ाने का कार्य किया। २५ जनपदों में २६,७७२ युवा स्वयंसेवकों (एनसीसी, एनएसएस, एन वाईकेएस, भारत स्काउट एंड गाइड) को प्रशिक्षित कर आपदा मित्र प्रबंधन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया गया है। इन स्वयंसेवकों को सात दिवसीय प्रशिक्षण के साथ भी जोड़ा गया है। इन्हें इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट, आपदा मित्र ट्रेनिंग, मॉड्यूल आईडी, आईडी कार्ड व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट में लाइफ जैकेट, सर्च टॉर्च, फर्स्ट–एड बॉक्स, सेफ्टी हेलमेट, चश्मा समेत १५ आइटम हैं। प्रदेश सरकार ने प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवकों का तीन वर्ष का जीवन व चिकित्सा बीमा करने का निर्णय लिया है। १० फरवरी को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एमओयू किया गया है, जिसमें आपदा मित्र को तीन वर्ष के लिए ५ लाख का बीमा कवर प्रदान किया गया है। प्रदेश में अभी तक २६५६ युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षित किए जा चुके हैं, शेष का प्रशिक्षण भी आगे बढ़ाया जाएगा। सीएम ने कहा कि पहले आपदा आने पर वर्षों तक पीड़ितों को कोई पूछता तक नहीं था। उन्हें क्षतिपूर्ति तक नहीं मिल पाती थी। २०१५–१६ में एक बार किसी किसान के खाते में दो रुपए और किसी के खाते में चार रुपए आए थे। हमारा प्रयास है कि बाढ़, आकाशीय बिजली, आगजनी जैसी आपदा आते ही २४ घंटे के भीतर पीड़ित के खाते में पैसा पहुंच जाए। २०२५–२६ में राज्य आपदा मोचक निधि में ८७६ करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसमें से फसल क्षति से प्रभावित ५,१४,३२२ किसानों को २६० करोड़ रुपए का कृषि निवेश अनुदान, जनहानि के ५३६८ पीड़ितों को २१६ करोड़ रुपए और मकान क्षति के २७४४८ प्रभावितों को २४ करोड़ रुपए सरकार वितरित कर चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी व आजमगढ़ में डॉप्लर वेदर रडार की स्थापना होने जा रही है। इससे मौसम का पूर्वानुमान लगाने के साथ ही यह भी बता सकेंगे कि कहां पर आकाशीय बिजली गिरने का खतरा है। प्रदेश में ४५० ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन और ब्लॉक स्तर पर २००० ऑटोमेटिक रेन गेज स्थापित करने की कार्रवाई लगभग पूर्ण हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में ४५ हजार होमगार्ड्स की भर्ती में आपदा मित्रों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि अभी आपदा मित्र की सेवा स्वैच्छिक है, लेकिन जब वे होमगार्ड के रूप में कार्य करेंगे तो उन्हें सरकार की ओर से मानदेय भी दिया जाएगा। प्रदेश में १६ हजार आपदा मित्रों को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से प्रशिक्षित किया जा चुका है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा स्नातक–परास्नातक विद्यार्थियों के लिए दो वर्षीय आपदा प्रबंधन इंटर्नशिप कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

टी२० वर्ल्ड कपः माइकल जोन्स की तूफानी पारी

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड ने टी२० वर्ल्ड कप २०२६ के ३३वें मुकाबले में नेपाल को जीत के लिए १७१ रन का टारगेट दिया है। ग्रुप–सी में मौजूद ये दोनों ही टीमें खिताबी रेस से बाहर हैं। ऐसे में इनका मकसद जीत के साथ अपना अभियान समाप्त करना होगा। इस विश्व कप में नेपाल ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला मैच ४ रन से गंवाया। अगले मुकाबले में उसे इटली ने १० विकेट से रौंदा। इसके बाद नेपाल को वेस्टइंडीज ने ६ विकेट से हराया। यह टीम ग्रुप–सी की प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले यानी पांचवें पायदान पर है। दूसरी ओर, तीसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ३५ रन से शिकस्त झेलने के बाद इटली को ७३ रन से हराया। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ उसे ५ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में जारी मुकाबले में नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। स्कॉटलैंड को जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने १० ओवरों में ८० रन जुटाए। ज र्ज २६ गेंदों में ४ चौकों के साथ २७ रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद माइकल जोन्स ने ब्रैंडन मैकमुलेन (२५) के साथ दूसरे विकेट के लिए ३२ गेंदों में ५२ रन की साझेदारी करते हुए टीम को १३२ के स्कोर तक पहुंचा दिया। माइकल जोन्स ४५ गेंदों में ३ छक्कों और ८ चौकों के साथ ७१ रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से टीम ने निरंतर अंतराल पर विकेट खोने के बावजूद १७०७७ का स्कोर बनया। स्क टलैंड की प्लेइंग इलेवनः जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, रिची बेरिंगटन (कप्तान), ट म ब्रूस, माइकल लीस्क, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), मार्क वॉट, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील और ब्रैड करी। नेपाल की प्लेइंग इलेवनः कुशल भुर्तेल, आसिफ शेख (विकेटकीपर), रोहित पौडेल (कप्तान), दीपेंद्र सिंह ऐरी, आरिफ शेख, लोकेश बाम, संदीप जोरा, गुलशन झा, सोमपाल कामी, नंदन यादव और संदीप लामिछाने।

बीएसएफ कमांडेंट को नम आंखों से दी गई विदाई

बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के संतोषीकपुरवा गांव ने शुक्रवार को अपने वीर सपूत, बीएसएफ कमांडेंट सर्वेश कुमार तिवारी को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। भारत माता की जय और अमर रहे के नारों के बीच माहौल भावुक हो उठा। दरअसल, उनकी तैनाती बहरामपुर में बांग्लादेश बॉर्डर पर थी। करीब ४० दिन पूर्व अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनका प्रारंभिक उपचार कोलकाता के विभागीय अस्पताल में कराया गया। हालत में सुधार न होने पर उन्हें लखनऊ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां करीब १५ दिनों तक इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। पार्थिव शरीर गांव पहुंचने पर अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। बीएसएफ के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया। तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर को सलामी दी गई और राष्ट्रगान के बीच अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। स्वर्गीय तिवारी अपने पीछे पत्नी संध्या तिवारी, पुत्र उत्कर्ष और तुषार सहित भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं। अंतिम संस्कार में राज्य मंत्री के प्रतिनिधि प्रदीप द्विवेदी, क्षेत्रीय सामाजिक एवं वित्तविहीन माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष तेजकुमार, विवेक तिवारी, मधुकर तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। गांव वासियों ने कहा कि सर्वेश तिवारी पर पूरे क्षेत्र को गर्व है।

खेलों के महाकुंभ में ५७६ प्रतिभागी दिखाएंगे दम

लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा पहली बार आयोजित राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता २०२५–२६ का शुभारंभ शुक्रवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण, मार्च पास्ट की सलामी और प्रतिभागियों के शपथ ग्रहण के साथ प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि विभाग का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण के साथ युवाओं को खेलों से जोड़कर उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आईटीआई संस्थानों में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी शारीरिक रूप से सशक्त और मानसिक रूप से आत्मविश्वासी बन सकें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन निरंतर प्रयास ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने बताया कि पहली बार आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से ५७६ प्रतिभागी (२७१ महिला और ३०८ पुरुष) भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता में १००, २०० और ४०० मीटर दौड़, लंबी व ऊंची कूद, शॉटपुट, बैडमिंटन, कबड्डी, व लीबॉल, रस्साकशी और खो–खो सहित कुल १३ खेलों में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता २२ फरवरी तक चलेगी।

रंग–बिरंगे फूलों से जगमगा उठा लखनऊ का ई–पार्क

लखनऊ। महानगर स्थित ई–पार्क में नगर निगम की ओर से पांच वर्ष बाद पुष्पकला एवं चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को प्रदर्शनी स्थल गमलों में लगे रंगबिरंगे फूलों से सज गया। प्रतिभागियों ने पार्क में हरियाली के साथ गमलों से सजावट की है। शुक्रवार को निर्णायक मंडल निरीक्षण करेगा।प्रदर्शनी में कलाकार फूलों से शादी के मंडप सजाने का प्रदर्शन भी करेंगे। शाम ४ बजे विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। उद्यान अधीक्षक गंगाराम गौतम और शशिकांत शशि ने बताया कि महापौर सुषमा खर्कवाल २१ फरवरी दोपहर २ बजे पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगी। इसके साथ ही प्रदर्शनी जनता के लिए खोल दी जाएगी। रविवार को सुबह ८ से शाम ७ बजे तक प्रदर्शनी दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

भाषा विवाद पर अमित शाह का बड़ा संदेश, बोले- हिंदी और स्थानीय भाषाएं सगी बहनें हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के बीच कभी कोई टकराव नहीं हो सकता, और उन्हें एक ही मां की दो बहनें बताया। अगरतला में पूर्वी, उत्तर–पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हिंदी को बढ़ावा देने से अंततः सभी भाषाएं मजबूत होती हैं और भारत के विविध भाषाई परि श्य में एकता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की समृद्ध भाषाई विरासत के उपयोग और सीखने को प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। अमित शाह ने कहा कि हिंदी और स्थानीय भाषाओं के बीच कभी कोई टकराव नहीं हो सकता क्योंकि वे एक ही मां की दो बहनें हैं... हिंदी सभी भाषाओं की मित्र है। जब हिंदी को बढ़ावा दिया जाता है, तो सभी भाषाएं मजबूत होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा देश अपनी भाषा को सीखने और अपनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। शाह ने आज हपानिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय मेला परिसर के इंडोर हॉल में पूर्वी, उत्तर–पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन

का उद्घाटन किया। इससे पहले दिन में, शाह ने असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जो कांग्रेस पार्टी पचास वर्षों में हासिल नहीं कर सकी, भाजपा ने उसे मात्र दस वर्षों में पूरा कर दिया। सिलचर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने सरकार की अवसंरचना संबंधी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और बताया कि पिछले पांच वर्षों में असम में प्रतिदिन १४ किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है, सैकड़ों पुलों का निर्माण पूरा हुआ है और चार बड़े नए पुलों का उद्घाटन किया गया है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक शासन किया, लेकिन उसने असम के विकास के लिए कुछ नहीं किया। जो कांग्रेस पचास वर्षों में नहीं कर सकी, वह हमने दस वर्षों में कर दिखाया। पिछले पांच वर्षों में असम में प्रतिदिन १४ किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है... लगभग सैकड़ों–हजारों पुलों का निर्माण हुआ है और चार बड़े नए पुलों का उद्घाटन किया गया है। ४अगरतला में आयोजित राजभाषा सम्मेलन में पूर्वी, उत्तर–पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के अधिकारी एक साथ आए और उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देते हुए राजभाषा नीति को लागू करने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया, साथ ही भारत की अनूठी भाषाई विविधता को भी उजागर किया।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का बिगुल, तीन चरणों में होगा आंदोलन का आगाज

लखनऊ। टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने संयुक्त कार्यक्रम के प्रथम चरण का ऐलान कर दिया है। टीचर फेडरेशन अ फ इंडिया (TFI) के निर्देशों के अनुपालन में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, लखनऊ की विकास खंड सरोजिनी नगर इकाई की महत्वपूर्ण बैठक

आयोजित की गई। बैठक निर्धारित स्थान पर विकास खंड अध्यक्ष एवं मंत्री की अगुवाई में संपन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, लखनऊ के जिलाध यक्ष के संरक्षण में विस्तृत समीक्षा की गई। कार्यक्रम को प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष लखनऊ सुधांशु मोहन, प्रांतीय मंत्री वंदना सक्सेना, विकासखंड काकोरी के अध्यक्ष अजय सिंह, वरिष्ठ शिक्षक विजय कुमार, अमित कुमार, प्रेमलता, संघर्ष समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह सहित अनेक शिक्षकों ने संबोधित किया। बैठक में टीचर फेडरेशन द्वारा जारी निर्देशों के पूर्ण अनुपालन का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि फेडरेशन का गठन बेसिक शिक्षा को जीवंत बनाए रखने और शिक्षकों की सेवा शर्तों की सुरक्षा के उद्देश्य से किया गया है। इस संघर्ष में जनपद लखनऊ के प्रत्येक शिक्षक से एकजुट होकर भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई। प्रांतीय उपाध्यक्ष सुधांशु मोहन ने टीईटी अनिवार्यता के विरोध में घोषित प्रथम चरण के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि आंदोलन तीन चरणों में संचालित होगों अपराह्न २ बजे से ४ बजे तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर निर्धारित हैशटैग रुअभियान के माध्यम से सभी शिक्षक सहभागिता करेंगे। समस्त शिक्षक हाथों पर काली पट्टी बांधकर विद्यालयों में अध्यापन करते हुए इस निर्णय का प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराएंगे। अपराह्न १ बजे से ४ बजे तक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, लखनऊ परिसर में विशाल धरना–प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, भारत सरकार को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन शिक्षकों के अधिकारों और सेवा शर्तों की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। शिक्षक संगठनों ने जनपद के सभी शिक्षकों से अपील की है कि वे आंदोलन के प्रत्येक चरण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर अपनी एकजुटता का परिचय दें।

४६वीं मंडल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्नः उन्नाव ओवरऑल चौंपियन, १५०० बच्चों ने दिखाया दमखम

लखनऊ। चौक स्टेडियम में आयोजित परिषदीय विद्यालयों की दो दिवसीय ४६वीं मंडल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह के द्वितीय दिवस खिलाड़ियों ने खेल मैदान

में शानदार प्रदर्शन किया, वहीं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रमुख प्रतियोगिताओं के परिणाम–व्यायाम एवं विशेष प्रदर्शनः हरदोई प्रथम, सीतापुर द्वितीय, खीरी तृतीय। अंत्याक्षरी प्रतियोगिताः लखनऊ ने हरदोई को हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। कबड्डी (जूनियर बालिका वर्ग): खीरी ने लखनऊ को हराकर खिताब जीता। गोला क्षेपण (बालक वर्ग): हरदोई के शिब्बू प्रथम, उन्नाव के विनायक द्वितीय। बालिका वर्ग : रायबरेली की रोजनीन बानो प्रथम, हरदोई की गीता देवी द्वितीय। ऊँची कूद (बालक वर्ग): रायबरेली के प्रांजल प्रथम, लखनऊ के अनिकेत द्वितीय। बालिका वर्ग : खीरी की नैंसी प्रथम, उन्नाव की उपासना द्वितीय। ४×१०० मीटर रिले रेस (बालक वर्गः उन्नाव प्रथम, लखनऊ द्वितीय। बालिका वर्ग ५ रायबरेली प्रथम, उन्नाव द्वितीय व्यक्तिगत एवं ओवरऑल चौंपियनशिप, व्यक्तिगत चौंपियन (सीनियर बालक): उन्नाव के संजय (१५ अंक), सीनियर बालिकाः खीरी की प्रीति (१३ अंक), जूनियर बालकः रायबरेली के शिवम (१५ अंक) जूनियर बालिकाः सीतापुर की भूमिका (८ अंक) २१३

अंकों के साथ उन्नाव प्रथम, जबकि १६६ अंकों के साथ खीरी द्वितीय स्थान पर रहा। पुरस्कार वितरण एवं समापन विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि राम प्रवेश (प्राचार्य, डायट लखनऊ) एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के सह संयोजक राजेश कुमार सिंह (खंड शिक्षा अधिकारी, मुख्यालय) ने बताया कि मंडलीय स्तर पर लगभग १५०० विद्यार्थियों ने १७ स्पर्धाओं में भाग लिया। समापन अवसर पर संयोजक एवं एडी बेसिक लखनऊ मंडल श्याम किशोर तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं तथा आयोजन में सहयोग देने वाले व्यायाम शिक्षकों एवं अनुदेशकों की सराहना की। दो दिवसीय यह प्रतियोगिता खेल भावना, अनुशासन और प्रतिभा के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

उत्तर प्रदेश में पुलिस का भारी भरकम अमला लापता हुए 20,350 लोगों को तलाश नहीं पा रहा

लखनऊ। प्रदेश में २०,३५० लोग लापता चल रहे हैं, लेकिन पुलिस का भारी भरकम अमला उन्हें तलाश नहीं कर सका है। उधर डीजीपी राजीव ष्ण ने लोगों को तलाश नहीं कर पाने पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने एक कार्य योजना तैयार की है। साथ ही सभी पुलिस अफसरों से कहा है कि वह हर माह लापता लोगों और बच्चों को तलाशने के लिए विशेष अभियान चलाएं। प्रदेश में एक जनवरी–२०२४ से १८ फरवरी–२०२६ यानी दो साल के भीतर १,०८,३७२ लोग लापता हो गए। हालांकि पुलिस ने ८८,०२२ लोगों को तलाश भी कर उनके घरों तक पहुंचा दिया। अब २०,३५० लोग ऐसे हैं, जो कि अपनों के पास नहीं पहुंच सके हैं। अब डीजीपी ने लापता लोगों को तलाशने के लिए एक कार्य योजना तैयार की है। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक लापता व्यक्ति को तलाशना पुलिस की पहली प्राथमिकता है, लेकिन विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षित बरामदगी हर हाल में जरूरी है। जैसे ही लापता होने की सूचना मिले तो तुरंत ही समयबद्ध तरीके से विवेचनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी जाए। हर माह जिलों के एसएसपी और डीसीपी लापता व्यक्तियों एवं बच्चों की बरामदगी के लिये विशेष अभियान चलाएं। यदि गुमशुदगी के किसी मामले में आपराधिक गिरोह के संलिप्त होने की आशंका होने पर एक से अधिक विशेष टीमें गठित कर तत्परता से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विवेचना के दौरान मानव तस्करी के साक्ष्य मिलने पर प्रकरण एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाने को भेज दिए जाए। इसके साथ ही केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोर्टल मिशन वात्सल्य और यक्ष एप लापता लोगों और बच्चों के फोटो अपलोड कर दिए जाएं।

वार्ड संसाधन केन्द्र हजरतगंज में शिक्षक संकुल स्तरीय टीएलएम प्रदर्शनी सम्पन्न, ५० शिक्षकों के नवाचार को सराहना पॉच संकुल बने विजेता

लखनऊ। विकास खंड नगर क्षेत्र जोन एक के अंतर्गत शिक्षक संकुल स्तरीय बेसिक नॉलेज टीएलएम (**Teaching Learning Material**) प्रदर्शनी का आयोजन वार्ड संसाधन केन्द्र हजरतगंज, लखनऊ में उत्साह एवं गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा तैयार नवाचारी शिक्षण–अधिगम सामग्री के माध्यम से कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक एवं छात्र–केंद्रित बनाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ **DIET Lucknow** से पधारी टीम द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी जोन एक ड . पूनम मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी जोन तीन प्रमेन्द्र शुक्ला, संकुल प्रभारी, प्रधानाध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में शिक्षक– शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में जोन एक एवं जोन तीन के शिक्षक संकुलों सहित लगभग ५० शिक्षकों ने गणित, विज्ञान, भाषा और पर्यावरण अध्ययन विषयों से संबंधित आकर्षक एवं उपयोगी टीएलएम का प्रदर्शन किया। अधिकांश शिक्षण सामग्री स्थानीय संसाधनों के उपयोग से कम लागत में तैयार की गई थी, जो विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। **DIET Lucknow** से आए प्रवक्ता पवन जी, पूजा उपाध्याय जी एवं संगीता जी ने सभी म डलों का गहन अवलोकन कर शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और इसे गुणवत्तापरक शिक्षा

की दिशा में सकारात्मक पहल बताया। खण्ड शिक्षा अधिकारी जोन तीन प्रमेन्द्र शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि टीएलएम केवल शिक्षण सामग्री नहीं, बल्कि बच्चों की जिज्ञासा और समझ को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा, "जब शिक्षक अपनी सृजनात्मकता को कक्षा में उतारता है, तो शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं रहती, बल्कि अनुभव और प्रयोग के माध्यम से जीवंत हो जाती है। ऐसे नवाचार ही नई शिक्षा व्यवस्था की नींव को मजबूत करते हैं।" उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे स्थानीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए बच्चों के लिए आनंददायक शिक्षण वातावरण तैयार करें। खण्ड शिक्षा अधिकारी, जोन एक डॉ. पूनम मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था की आत्मा हैं और टीएलएम के माध्यम से वे कठिन से कठिन विषय को भी सरल बना सकते हैं। उन्होंने कहा, "नवाचार ही गुणवत्ता की पहचान है। जब शिक्षक अपनी कल्पनाशीलता और समर्पण से शिक्षण सामग्री तैयार करते हैं, तो बच्चे सीखने के प्रति स्वाभाविक रूप से प्रेरित होते हैं। ऐसी प्रदर्शनी शिक्षकों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता को नई ऊर्जा देती है।" उन्होंने सभी प्रतिभागी शिक्षकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही। **DIET Lucknow** से पधारी पूजा उपाध्याय जी ने अपने संबोधन में कहा कि टीएलएम का उद्देश्य केवल मॉडल प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि सीखने को अनुभवात्मक बनाना है। "जब बच्चा देखकर, छूकर और प्रयोग करके सीखता है, तब सीख स्थायी बनती है। आज प्रस्तुत मॉडलों में शिक्षकों की मेहनत, रचनात्मकता और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण स्पष्ट दिखाई देता है।" उन्होंने सुझाव दिया कि इन नवाचारों को विद्यालय स्तर पर नियमित रूप से प्रयोग में लाया जाए तथा अन्य शिक्षकों के साथ साझा किया जाए। वहीं **DIET Lucknow** से आई टीम में पवन जी ने कहा कि टीएलएम शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का महत्वपूर्ण उपकरण है। "कम संसाधनों में भी उत्कृष्ट शिक्षण संभव है, यदि शिक्षक में नवाचार की भावना और बच्चों के प्रति संवेदनशीलता हो। आज की प्रदर्शनी इस बात का प्रमाण है कि हमारे शिक्षक गुणवत्ता शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।" उन्होंने शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों को ब्लॉक एवं जनपद स्तर तक ले जाकर व्यापक मंच प्रदान किया जाएगा। निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन उपरांत नगर क्षेत्र जोन एक के कनौसी संकुल, सरोजनीनगर संकुल, आलमबाग संकुल एवं औरंगाबाद संकुल तथा जोन तीन के राजभवन संकुल को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विजेता घोषित किया गया। विजेता संकुलों को प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का प्रभावपूर्ण संचालन राकेश पाण्डेय द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. पूनम मिश्रा ने प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह टीएलएम प्रदर्शनी शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मंच सिद्ध हुई है, जिसने गुणवत्तापरक, नवाचार आधारित एवं छात्र–केंद्रित शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश दिया है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ एकजुट हुए शिक्षक संगठन, २२ फरवरी से प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान

लखनऊ। टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता के विरोध में उत्तर प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने एक मंच पर आकर संयुक्त आंदोलन छेड़ने

का ऐलान किया है। राजधानी लखनऊ स्थित शिक्षक भवन में आयोजित बैठक में प्रदेश भर के प्रमुख शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की। बैठक में बताया गया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा २७ जुलाई २०११ से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए सेवा में बने रहने हेतु टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने के निर्णय से प्रदेश के हजारों शिक्षकों में रोष व्याप्त है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर इस प्रकार की बाध्यता न्यायसंगत नहीं है और इससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। बैठक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ तथा उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने भी अ नलाइन माध्यम से बैठक में सहभागिता करते हुए आंदोलन का समर्थन किया। २२ फरवरी २०२६ को अपराह्न २ बजे से ४ बजे तक प्रदेश भर में एक्स (पूर्व ट्विटर) पर हैशटैग अभियान चलाया जाएगा। २३ से २५ फरवरी २०२६ तक सभी शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे। २६ फरवरी २०२६ को दोपहर १ बजे से ४ बजे तक संबंधित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया जाएगा तथा बीएसए कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। मार्च के तीसरे सप्ताह में नई दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल महारैली आयोजित कर केंद्र सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा। शिक्षक नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने समय रहते इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। संगठनों का कहना है कि वे शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं। बैठक में कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे और सभी ने एकजुटता के साथ आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

रश्मिखण्ड में विकास की नई राहः श्री सिद्ध नागेश्वर मंदिर के पास सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

लखनऊ। राजधानी के रश्मिखण्ड क्षेत्र में विकास को नई गति देते हुए श्री सिद्ध नागेश्वर मंदिर के पास सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ पार्षद हिमांशु अम्बेडकर द्वारा किया गया। लंबे समय से जर्जर सड़क की समस्या से जूझ रहे स्थानीय निवासियों को अब जल्द ही बेहतर और सुगम

मार्ग की सौगात मिलने जा रही है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पार्षद हिमांशु अम्बेडकर ने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह सड़क श्री सिद्ध नागेश्वर मंदिर तक आने–जाने वाले श्रद्धालुओं तथा स्थानीय निवासियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। बरसात के मौसम में गड्ढों और जलभराव की समस्या से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हो जाएगा। इस अवसर पर नीरज कुमार जयसवाल, संदीप यादव, प्रदीप गुप्ता, वीरू तिवारी, हनी दीक्षित, अनूप अवस्थी, संजय सिंह, आशीष गुप्ता, शानू कुमार, सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह पहल रश्मिखण्ड के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सीएम योगी से मिले अमेरिकी विद्वान डॉ. डेविड फ्रॉले, बताया राजनीति का सुधारक

लखनऊ। अमेरिका के वैदिक विद्वान डॉ. डेविड फ्रॉले ने राजधानी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और योग, आयुर्वेद एवं सनातन संस्कृति पर चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि योगी राजनीति का शुद्धिकरण कर रहे हैं। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री के बहुआयामी व्यक्तित्व के प्रशंसक डॉ. फ्रॉले ने कहा कि 'योगी आदित्यनाथ राजनीति का शुद्धिकरण कर रहे हैं।' उन्होंने नाथ परंपरा का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे वैश्विक कल्याण की नई राह प्रशस्त हो रही है। अमेरिकी विद्वान ने सरकार द्वारा अयोध्या का पुरातन गौरव लौटाने की सराहना की और कहा कि अयोध्या का कायाकल्प वेदों की ओर लौटने का मार्ग है। बयान के मुताबिक फ्रॉले ने कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के साथ समय बिताना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और सौभाग्य की बात रही। गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी उस नाथ परंपरा से जुड़े हैं, जो प्राचीन योग संस्कृति से जुड़ी है और इसे भारत में जीवंत बनाए हुए है।'' इसमें कहा गया है, श्श्वह इन परंपराओं को न केवल संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर विस्तार भी दे रहे हैं। साथ ही वे शरीर, मन, समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि आदित्यनाथ राजनीति का शुद्धिकरण भी कर रहे हैं। भारत की वे सभी परंपराएं, जो संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक हैं, योगी के माध्यम से नई ऊर्जा प्राप्त कर रही हैं। फ्रॉले ने श्नई अयोध्या' की प्रशंसा करते हुए कहा कि अयोध्या का कायाकल्प अत्यंत प्रसन्नता की बात है। विसक न्सिन (अमेरिका) में एक कैथोलिक परिवार में जन्मे डॉ. डेविड फ्रॉले की गिनती अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदुत्व के प्रमुख विचारकों में होती है।

'धुरंधर २' सेट पर सुरक्षा उल्लंघनः सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने की कड़ी निंदा

मुम्बई। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने फिल्म 'धुरंधर २' के सेट पर हुई गंभीर सुरक्षा उल्लंघनों की कड़ी निंदा की। एसोसिएशन ने निर्देशक आदित्य धर और उनकी प्रोडक्शन कंपनी बी६२ स्टूडियोज के खिलाफ बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा की गई कार्रवाई का समर्थन किया है। एसोसिएशन ने मांग की है कि फिल्म इंडस्ट्री में सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू किया जाए और वर्कर्स की जान से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुरेश श्यामलाल गुप्ता ने कहा, "फिल्म इंडस्ट्री के वर्कर्स, टेक्नीशियन और मजदूरों की जान, सुरक्षा और सम्मान से किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जा सकता। कोई भी प्रोडक्शन हाउस कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने हर शूटिंग सेट पर रेगुलर इंस्पेक्शन और लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की अपील की। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वह फिल्म इंडस्ट्री के वर्कर्स के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। जब तक पूरे इंडस्ट्री में सख्त सुरक्षा नियम लागू नहीं हो जाते तब तक एसोसिएशन चुप नहीं बैठेगा। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन के अनुसार, 'धुरंधर २' की शूटिंग के दौरान कई बार सुरक्षा उल्लंघन हुए। हाई–सिक्योरिटी जोन में जलती मशालों का इस्तेमाल, बिना अनुमति लोकेशन बदलना, गैस और जेनरेटर वैन का अवैध उपयोग जैसी लापरवाहियां सामने आई हैं। एसोसिएशन ने कहा कि ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं। कई सालों से प्रोडक्शन हाउस सुरक्षा नियमों, कानूनी मंजूरी और बुनियादी सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज करते रहे हैं। गोरेगांव फिल्म सिटी और अन्य स्टूडियोज में आग, बिजली के झटके, गिरने और असुरक्षित सेट की वजह से वर्कर्स की जान जा चुकी है और कई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एसोसिएशन ने राज्य के मुख्यमंत्री और बीएमसी कमिश्नर को कई बार पत्र लिखकर शिकायत की है। एसोसिएशन ने मांग की है कि हर शूटिंग सेट का नियमित और सख्त निरीक्षण हो। जहां लापरवाही मिले, वहां तुरंत कार्रवाई हो। दुर्भाग्य से समय पर सख्त कदम नहीं उठाए जाते, जिससे लापरवाह प्रोडक्शन हाउस बेफिक्र रहते हैं और वर्कर्स की जान जोखिम में पड़ती रहती है। मुंबई में रोजाना सैकड़ों शूटिंग होती हैं, लेकिन ज्यादातर प्रोडक्शन हाउस जरूरी सुरक्षा और कानूनी जरूरतों का पालन नहीं करते। 'धुरंधर २' मामले में बीएमसी द्वारा बी६२ स्टूडियोज को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश और जुर्माना प्रस्ताव को सही कदम बताया है। एसोसिएशन ने कहा कि ऐसे सख्त फैसले अन्य प्रोडक्शन हाउस के लिए चेतावनी का काम करेंगे।

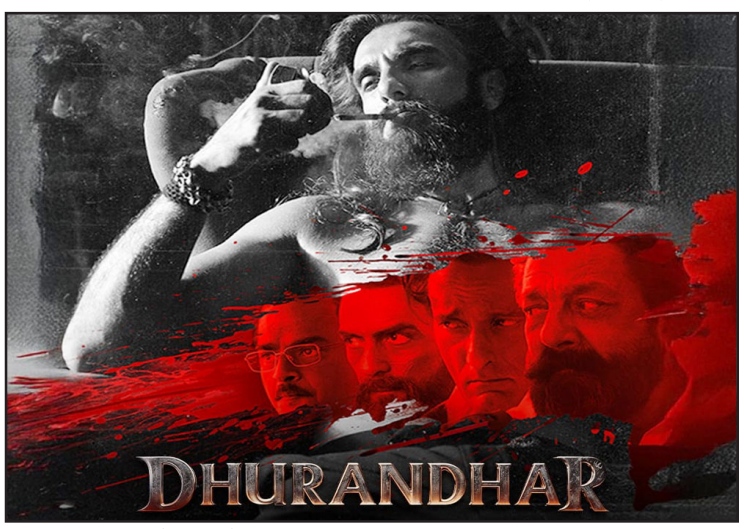

नगर निगम के स्कूलों और डिग्री कॉलेज का होगा कायाकल्प

लखनऊ। नगर निगम द्वारा संचालित स्कूलों और डिग्री कॉलेज का जल्द कायाकल्प होगा। नगर निगम को इसके लिए मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के लगभग १० करोड़ रुपये का बजट मिला है। इसके लिए नगर निगम ने टेंडर भी निकाल दिए हैं। जल्द ही टेंडर फाइनल होने के बाद स्कूलों में जीर्णोद्धार का काम शुरू हो जाएगा। अमीनाबाद इंटर कॉलेज पर ३.५० करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जाएगा। सीएसआर फंड से कॉलेज में ६०० नई बेंच की खरीदी जाएंगी। कॉलेज को हाईटेक बनाने के साथ बच्चों के लिए यहां सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सुरेंद्र नगर स्थित अटल विहारी डिग्री कॉलेज के लिए ३. २४ करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जाएगा। जिससे कॉलेज में स्मार्ट क्लासेस शुरू की जाएगीं और हाईटेक लैब का निर्माण होगा। नए क्लास रूम का भी बनाए जाएंगे। कश्मीरी मोहल्ला इंटर कॉलेज के लिए २.०७ करोड़ का बजट खर्च किया जाएगा। काश्मीरी मोहल्ला नर्सरी स्कूल के लिए १४.३३ लाख रुपये का बजट रखा गया है। नजरबाग स्थित मॉडल मॉन्टेंसरी स्कूल के लिए २७ लाख और चिल्ड्रन पैलेस स्कूल पर ३८ लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में बड़ा खुलासा, इस साजिश के पीछे बिश्नोई गैंग

मुम्बई। बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि इस हमले की साजिश बिश्नोई गैंग के महाराष्ट्र प्रमुख शुभम लोनकर और उसके भाई प्रवीण लोनकर ने रची थी।

खास बात यह है कि प्रवीण लोनकर इस वक्त बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में जेल में बंद है। इसके बावजूद उसने रोहित शेट्टी पर हमले के लिए हथियार और आर्थिक मदद मुहैया कराई। क्राइम ब्रांच को शक है कि प्रवीण लोनकर ने जेल में रहते हुए ही इस पूरे अपराध का नेटवर्क तैयार किया। पुलिस के अनुसार, इस साजिश में शामिल मुख्य शूटर समेत अब तक पुणे, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से १२ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रवीण लोनकर फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और जल्द ही उसे इस मामले में औपचारिक रूप से पुलिस कस्टडी में लिया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, पिस्तौल और हमले के लिए जरूरी रकम प्रवीण लोनकर के निर्देश पर ही उपलब्ध कराई गई थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जेल में बंद रहते हुए प्रवीण ने यह सब कैसे मैनेज किया। वह किन लोगों के संपर्क में था और संदेशों के आदान–प्रदान के लिए किन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक